Roll No. .... Total Pages : 6

5384-B

M.A. (Final) Examination, 2016

HINDI LITERATURE

Paper–IV(B)

(तुलनात्मक भारतीय साहित्य)

Time : Three Hours

Maximum Marks : 100

PART–A (खण्ड–अ) [Marks : 20

Answer all questions (50 words each).
All questions carry equal marks.

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 50 शब्दों से अधिक न हो। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

PART–B (खण्ड–ब) [Marks : 50

Answer *five* questions (250 words each), selecting *one* question from each unit. All questions carry equal marks.

प्रत्येक इकाई से **एक-एक** प्रश्न चुनते हुए, कुल **पाँच** प्रश्न कीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 250 शब्दों से अधिक न हो। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

PART–C (खण्ड–स) [Marks : 30

Answer any *two* questions (300 words each).
All questions carry equal marks.

कोई **दो** प्रश्न कीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 300 शब्दों से अधिक न हो। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

खण्ड–अ

1. निम्नलिखित सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

इकाई–I

(क) 1962 में फैज को किस पुरस्कार से सम्मानित किया गया था?

(ख) "दरबारे वतन में जब इक दिन सब जाने वाले जायेंगे
कुछ अपनी सजा को पहुँचेगे कुछ अपनी जजा ले जायेंगे"
उक्त पंक्तियाँ फैज की किस नज्म से ली गई हैं?

इकाई–II

(ग) गिरीश कर्नाड के **चार** नाटकों के नाम लिखिए।

(घ) तुगलक नाटक में छद्म गयासुद्दीन का रूप कौन धारण करता है?

इकाई–III

(ङ) 'उठाईगीर' उपन्यास मूलत: किस भाषा में लिखा हुआ है?

(च) 'उठाईगीर' समाज के पहले नेता का नाम क्या है?

इकाई–IV

(छ) '1084वें की माँ' उपन्यास में किस आन्दोलन का वर्णन हुआ है?

(ज) "मैं तुम्हें एक शेर शिकारी छापे वाली साड़ी लाकर दूँगा।" यह कथन किसका है?

इकाई–V

(झ) 'जीवन एक नाटक' की मूल भाषा कौन-सी है?

(ञ) वेलि क्रिसन रुकमणी री' में रुकमणी को किसका अवतार माना गया है?

खण्ड–ब

इकाई–I

2. व्याख्या कीजिए :

ऐ खाक नशीनो उठ बैठो, वो वक्त करीब आ पहुँचा है
जब तख्त गिराये जायेंगे, जब ताज उछाले जायेंगे,
अब टूट गिरेंगी जंजीरें, अब जिन्दानों की खैर नहीं
जो दरिया झूम के उठे हैं, तिनकों से न टाले जायेंगे।

3. व्याख्या कीजिए :

आजिजी सीखी गरीबों की हिमायत सीखी
यास-ओ-हिमरान के दुख दर्द के मानी सीखा
जेरदस्तो के मसाइब को समझना सीखा
सर्द आहों के रुख-ए-जर्द के मानी सीखे।

इकाई–II

4. व्याख्या कीजिए :

बेकार परेशान कर रही हो। औरत, अगर तेरा बच्चा मर रहा है, तो हम क्या कर सकते हैं? उस खेमे में जाओ हकीम बैठे हैं, जो भी जरूरी है दवा दारु करेंगे। मगर तुम नहीं मानती और रट लगाए बैठी हो तो हम क्या कर सकते हैं? सुना नहीं हमारे जो बड़े कारिंदा हैं उनको दो-तीन अशर्फियाँ चढ़ा दे तो सब काम बन जायेंगे।

5. व्याख्या कीजिए :

बरनी ! ला-इलाज बीमार शख्स को मैदानों में खुले फेंक देने का मतलब है, नयी बीमारियों को दावत देना। बरनी, हजारों खूंखार गिद्ध सर पर मंडरा रहे हैं जिनकी खूनी नजरें मुझ पर जमी हुई हैं। मैं अपनी बदनसीब रिआया को किस के भरोसे छोड़ दूँ? मैं अपनी रिआया से जुदा नहीं हूँ। बरनी, ऐसी सूरत में तख्त छोड़ने का मतलब खुदकुशी करना है।

इकाई–III

6. 'उठाईगीर' में जायबा नायक व्यक्ति के चरित्र को उद्‌घाटित कीजिए।

7. 'उठाईगीर' में किस जाति विशेष और व्यवसाय के बारे में बताया गया है, स्पष्ट कीजिए।

इकाई–IV

8. सुजाता अपने पति दिव्यनाथ की विचारधारा का विद्रोह कब-कब करती है?

9. महाश्वेता देवी ने '1084वें की माँ' उपन्यास में किस तरह के विचारों को व्यक्त किया है?

इकाई–V

10. सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

मैं डाकिन होती तो अपनी संतानों को ही ना खा जाती? बोलने दो बोलने वालों को। लेकिन, बिरादरी में बड़े बादशाह का बेटा भी आ जाए तो भी मैं उसके दबाए नहीं दबने की। कुछ तो इसीलिए निगोड़ों ने मुझे जबरन डाकिन बना डाला कि उनका मन ऐसा होगा। पर निगोड़े इतना नहीं समझते कि औरतें राज चलाती हैं।

11. सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

आरंभ मइँ कीयउ, जेगि उपायउ

गावण गुण–निधि, हूँ निगुण

किरी कठ–चीत्र–पूतली निय करी

चीत्रारइ लागी चित्रण।

खण्ड–स

इकाई–I

12. तुगलक के वैशिष्ट्य को स्पष्ट कीजिए।

इकाई–II

13. "फैज की शायरी शोषक वर्ग के विरुद्ध क्रांति का आह्वान करती है।" कथन की सोदाहरण समीक्षा कीजिए।

इकाई–III

14. '1084वें की माँ' के प्रमुख पात्र व्रती की चारित्रिक विशेषताओं को उद्घाटित कीजिए।

इकाई–IV

15. 'बेलि क्रिसन रुकमणि री' भक्ति और श्रृंगार का अद्भुत मेल है।' कथन की सोदाहरण समीक्षा कीजिए।